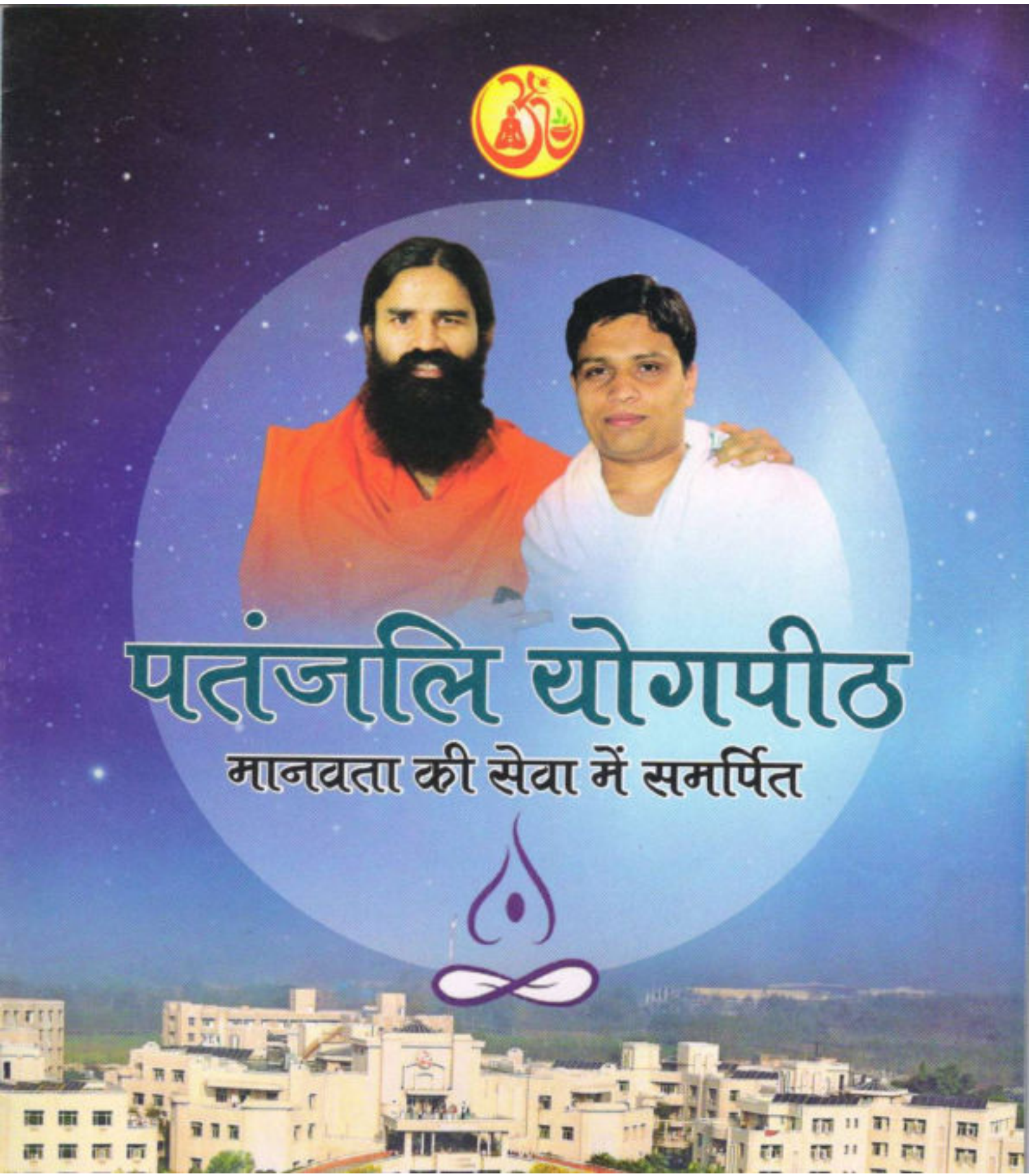
पतंजलि योगपीठ
मानवता की सेवा में समर्पित

आयुर्वेद के इतिहास में प्रथम बार अति वृहत् विश्व भेषज संहिता की रचना

विश्व भेषज संहिता में आयुर्वेद के प्रकाशित, अप्रकाशित, प्रकीर्ण, हस्तलिखित व दुर्लभ ग्रन्थों का सार चिकित्सकीय प्रयोगों के साथ सुव्यवस्थित रूप से समाहित है। इसमें जड़ी-बूटी विषयक उस ज्ञान को भी पहली बार व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो अब तक मौखिक परम्परा से चला आ रहा था। विश्व भेषज संहिता में प्राचीन आयुर्वेदीय ग्रन्थों में अनुपलब्ध, विश्व के बहुसंख्य औषधीय पौधों का पहली बार आयुर्वेदीय आर्षशैली से आधुनिक वैज्ञानिक परीक्षण के साथ वर्णन किया गया है। यह प्रथम ग्रन्थ है, जिसमें विश्व के हजारों औषधीय पादपों का पहली बार संस्कृत नामकरण, व्युत्पत्ति व प्राचीन आयुर्वेदिक शैली में गुण-धर्मों एवं प्रयोगों का विवरण दिया गया है। इसमें औषधीय पादपों के हिन्दी-संस्कृत नामों के साथ विश्व की 150 भाषाओं में उपलब्ध नाम भी यथासंभव संकलित किए गए हैं। इस प्रकार इस ग्रन्थ में वह ज्ञान सरलतया व्यवस्थित रूप में एक स्थान पर सुलभ है, जो सैकड़ों वैद्यकीय ग्रन्थों में फैला है।

विश्व भेषज संहिता का औषधीय-पादप विवेचन केवल सैद्धान्तिक विवेचन मात्र नहीं है, प्रत्युत दीर्घकाल तक लाखों रोगियों पर किए प्रयोग से पुष्ट अनुभवपूर्ण ज्ञान का प्रामाणिक विवरण है। इसमें पुराने व आधुनिक युग के सामान्य एवं गंभीर रोगों की अमोघ एवं सटीक चिकित्सा-विधि बताई गई है। इसमें जड़ी-बूटियों की पहचान के संदर्भ में विश्वस्तरीय प्रमाणिकता है, जो जड़ी-बूटियों के वानस्पतिक नाम के साथ प्रस्तुत की है। प्रस्तुत ग्रन्थ में भारतीय पौधों के साथ हजारों विदेशी पौधों का वर्णन छायाचित्रों के साथ दिया गया है तथा पहचान की सरल विधि बताई गई है। इसके साथ ही इसमें हस्तनिर्मित चित्रांकन (कैनवास पेंटिंग) के माध्यम से पौधों का स्वरूप स्पष्टता प्रदर्शित किया गया है।

विश्व भेषज संहिता विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा जड़ी-बूटियों के उपयोग के विषय में जिज्ञासा रखने वाले सुधीजनों की ज्ञान वृद्धि में अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। यह इस विषय में विश्व का सर्वाधिक विस्तृत व प्रामाणिक ग्रन्थ है। यह वनवासी, ग्रामीण व नगरवासी जनों, चिकित्सकों व समाज के सभी वर्गों के लिये वरदान सिद्ध होगा। इस पादप ज्ञान-कोश में भारत एवं सम्पूर्ण विश्व के 10,000 से अधिक औषधीय पौधों का विस्तृत एवं प्रामाणिक विवरण समाहित किया गया है। विश्व भेषज संहिता को तीन भागों एवं लगभग तीस खण्डों में विभाजित किया जा रहा है:-

प्रथम भाग (शास्त्रोक्त भारतीय औषधीय पौधे)
(इसमें 450-500 पृष्ठ के लगभग-12 खण्ड होंगे)

इस भाग में आयुर्वेद में वर्णित सभी (लगभग 900) पौधों का विवरण प्रथम बार एक स्थान पर संगृहीत किया गया है। इसमें वेदों से लेकर आयुर्वेद के सभी प्राचीन ग्रंथों, अप्रकाशित हस्तलिखित ग्रंथों व प्रकीर्ण निबंधों एवं शोधलेखों आदि में उपलब्ध पौधों के गुणों व प्रयोगों का व्यवस्थित रूप से विवेचन किया गया है। प्रस्तुत ग्रंथ में पौधों के संस्कृत नाम, व्युत्पत्ति, वानस्पतिक नाम, क्षेत्रीय नाम, विभिन्न भारतीय व विदेशी भाषाओं के नाम देते हुए इनका विशद परिचय दिया गया है। परिचय में बाह्य वानस्पतिक स्वरूप, रासायनिक संघटन, आयुर्वेदोक्त गुण-कर्म का विवेचन तथा आधुनिक भैषज्य विज्ञान के अनुसार गुण एवं प्रभाव का वर्णन किया है। साथ ही विभिन्न रोगों के अनुसार आभ्यंतिक प्रयोग, प्रयोज्याङ्ग व मात्रा आदि का विस्तृत विवेचन किया है। जहाँ-जहाँ आयुर्वेद-वर्णित पादपों की पहचान में भ्रांति या संदेह था, वहाँ प्रमाण सहित उसका निराकरण कर वास्तविक स्वरूप प्रस्तुत किया गया है।

द्वितीय भाग (भारतीय पारंपरिक औषधीय पौधे)

इस भाग में सम्पूर्ण भारत में पारम्परिक रूप से औषधीय पादपों के रूप में प्रयुक्त लगभग 3000 पौधों को समाहित किया गया है, जिनका आज तक एक स्थान पर कोई व्यवस्थित व प्रामाणिक विवरण प्रकाशित नहीं हो पाया था। इस प्रकार के पौधों का अन्वेषण कर इनकी पहचान निश्चित की है। इसके लिये सम्पूर्ण देश में भ्रमण कर विभिन्न वनवासी, आदिवासी, ग्रामीण व परम्परागत चिकित्सा करने वाले लोगों से सम्पर्क व संवाद के द्वारा प्राप्त ज्ञान को व्यवस्थित रूप से इस भाग में प्रतिपादित किया गया है। भ्रमण के दौरान जानकारी में आए विभिन्न औषधियों के क्षेत्र विशेष में प्रचलित चिकित्सकीय प्रयोगों को भी इसमें स्थान दिया गया है।

इस भाग में विभिन्न पौधों का संस्कृत में नवीन नामकरण किया गया है, जिससे उनकी सही व स्थायी पहचान स्थापित हो सके। इसके अतिरिक्त प्रथम भाग की शैली के अनुसार इस भाग में भी विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत परम्परा से प्राप्त पौधों का विस्तृत विवरण दिया है।

तृतीय भाग (विदेशी औषधीय पौधे)
(भारतीय औषधीय पौधों के अतिरिक्त)

(इस भाग में लगभग 4-6 खण्ड होंगे)

इस भाग में चिकित्सार्थ प्रयोग में आने वाले लगभग 6000 औषधीय पौधों का वर्णन किया है, जो भारत के अतिरिक्त विश्व के विभिन्न भागों में पाए जाते हैं तथा विश्व में विभिन्न चिकित्सा-पद्धतियों में प्रयुक्त होते हैं। इस प्रकार यहाँ विश्व की सभी चिकित्सा पद्धतियों में प्रयुक्त होने वाले औषधीय पौधों के विभिन्न चिकित्सकीय प्रयोगों को समाहित कर दिया गया है। इस भाग में पौधों के विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध नाम, बाह्यस्वरूप, प्रयोग तथा आधुनिक भैषज्य विज्ञान के अनुसार गुणों व प्रभावों को विवेचित किया गया है। विश्व में प्रथम बार इन पौधों का संस्कृत में नामकरण कर आयुर्वेद की शास्त्रीय शैली में इनके गुण धर्म व उपयोग का प्रामाणिक वर्णन किया गया है। इस भाग में पौधों के गुणों एवं औषधीय प्रभावों को भली-भाँति समझाने के लिए उनके रासायनिक संघटकों का विवरण देते हुए आधुनिक भैषज्य विज्ञान के आलोक में उनके गुण व प्रभावों का विवेचन किया है। इस ग्रन्थ में औषधीय पौधों पर किए गए विविध शोधकार्यों का विवरण भी समाहित किया गया है। इस प्रकार इस भाग में विदेशी औषधीय पौधों के स्वरूप गुण व प्रयोग का विस्तृत एवं प्रामाणिक वर्णन किया है।

विषय सूची

क्रम.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	हमारे ट्रस्ट	04-07
2.	पतंजलि योगपीठ में उपलब्ध सेवाएं	08
	(i) पतंजलि योगपीठ-I, पतंजलि आयुर्वेदिक चिकित्सालय	09-11
	(ii) पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय	12
	(iii) पतंजलि विश्वविद्यालय	12
	(iv) पतंजलि हर्बल गार्डन/ दिव्य नर्सरी	13
	(v) पतंजलि योगपीठ-II	14
	(vi) राजीव दीक्षित भवन	14
	(vii) वानप्रस्थ आश्रम	14
	(viii) महर्षि वाल्मिकि आश्रम	14
	(ix) संत रविदास लंगर	14
	(x) आचार्यकुलम् आवासीय शिक्षण संस्थानम्	15
	(xi) गुरुकुल गौशाला फार्म	15
	(xii) कृपालु बाग आश्रम, कनखल	15
	(xiii) दिव्य फार्मेसी	15
	(xiv) योग ग्राम	16
	(xv) पतंजलि आयुर्वेद लि.	16
	(xvi) पतंजलि फूड एण्ड हर्बल पार्क प्रा. लि.	16
3.	हरिद्वार से बाहर पतंजलि योगपीठ की सेवाएं	17-19
4.	हमारे अन्तर्राष्ट्रीय ट्रस्ट	20-21
5.	प्राकृतिक आपदाओं में सामाजिक सेवाएं	22-24
6.	गरीब व अनाथ व्यक्तियों हेतु सेवाएं	25-27
7.	पतंजलि योगपीठ द्वारा रोजगार	28-29
8.	पतंजलि योगपीठ द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश कैसे पायें?	30-33
9.	दान/सहयोग कैसे करें?	34-36

हमारे ट्रस्ट

दिव्य योग मन्दिर (ट्रस्ट)

हरिद्वार की पवित्र भूमि एवं पतित पावनी माँ गंगा के तट पर, विलक्षण प्रतिभा के धनी एवं ब्रह्मनिष्ठ, तितिक्षु संन्यासी, परम पूज्य स्वामी कृपालु देव जी महाराज ने सन् 1932 में विश्व ज्ञान मंदिर की स्थापना की, जो बाद में कृपालु बाग के नाम से विख्यात हुआ। कृपालु बाग आश्रम स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान रास बिहारी बोस जैसे क्रान्तिकारियों की शरणस्थली रहा। 5 जनवरी 1995 को पूज्यपाद योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज एवं श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने पूज्य स्वामी शंकरदेव जी महाराज के संरक्षण में इसी आश्रम से दिव्य योग मंदिर (ट्रस्ट) की स्थापना कर जनसेवा कार्य आरम्भ किया। वर्तमान में कृपालु बाग आश्रम में निःशुल्क ओ.पी.डी. तथा औषधि विक्रय केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। दिव्य योग मंदिर (ट्रस्ट), वर्तमान में समस्त आयुर्वेदिक सेवाओं का संचालन कर रहा है।

पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट)

योग को विश्व पटल पर प्रतिष्ठापित करने, योग की वैदिक परम्परा के अध्ययन व उस पर वैज्ञानिक अनुसंधान करने तथा साथ ही योग की सम्पूर्ण गतिविधियों व विविध प्रकल्पों को अनुशासित रूप से संचालित करने हेतु 4 फरवरी सन् 2005 को योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से दिल्ली में पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की स्थापना की गयी। ट्रस्ट द्वारा योग की लगभग समस्त गतिविधियाँ जैसे-योग विज्ञान शिविरों का आयोजन तथा पतंजलि योग समितियों का प्रबन्धन किया जाता है। योग को शिक्षा का अनिवार्य अंग बनाने हेतु योग से सम्बन्धित पाठ्यक्रम का निर्माण व उसे विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर लागू कराना पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की प्राथमिकता है।

भारत स्वाभिमान (ट्रस्ट)

स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा से देश के अन्तिम व्यक्ति को आरोग्य देना, भारतीय भाषाओं में देश के बच्चों को शिक्षा व संस्कार देकर, शिक्षा का स्वदेशीकरण, भारतीयकरण करना, भ्रष्टाचार व आर्थिक असंतुलन को मिटाकर देश के सम्पूर्ण संसाधनों में देश के सब लोगों को सहभागी बनाकर देश की बेरोजगारी, गरीबी व भूख को दूर करना, जल प्रबन्धन, कृषि के औद्योगीकरण, पर्यावरण की रक्षा स्वच्छता व जनसंख्या के नियन्त्रण से तथा स्वदेशी की नीतियों एवं भारतीय सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परम्पराओं की रक्षा करके भारत की एक आदर्श आध्यात्मिक राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठापना कर देश को विश्व की सर्वोच्य महाशक्ति के रूप में खड़ा करने के उद्देश्य से 05 जनवरी 2009 को भारत स्वाभिमान (ट्रस्ट) की स्थापना की गई।

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना 04 अगस्त 2010 को हुई थी। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन का उद्देश्य एवं लक्ष्य जैव-चिकित्सा अध्ययन, प्राचीन ज्ञान को पुनर्स्थापित एवं पुनर्जीवन प्रदान करना, चिकित्सा की पारंपरिक तथा आधुनिक प्रणाली के मध्य समन्वय स्थापित करना, पारंपरिक कृषि की पद्धति, नये उत्पादों के विकास, पर्यावरण के अनुकूल प्रसंस्करण, भारतीय औषद्य पद्धति, योग चिकित्सा आदि का अनुसंधान है।

पतंजलि ग्रामोद्योग (ट्रस्ट)

नैतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से देश के ग्रामीणों के उत्थान हेतु पतंजलि ग्रामोद्योग (ट्रस्ट) की स्थापना 5 जनवरी, 2011 को की गई। इस ट्रस्ट की स्थापना ग्रामीणों के जीवन एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में, ग्रामोद्योग को एक साधन के रूप में प्रयोग किये जाने के उद्देश्य से की गई। पतंजलि ग्रामोद्योग (ट्रस्ट) का लक्ष्य एवं उद्देश्य गांवों में उपलब्ध धन, मानव तथा अन्य संसाधनों के प्रयोग द्वारा ग्रामोद्योग की स्थापना करना एवं पारंपरिक ज्ञान, कला तथा कौशल को एक उद्योग में परिवर्तित करना है। पतंजलि ग्रामोद्योग का मुख्य उद्देश्य, गरीबी उन्मूलन, ग्रामीणों को बेहतर जीवन प्रदान करना, ग्रामीणों के मध्य आपसी सहयोग एवं एकता स्थापित करना तथा समान उद्देश्यों वाली अन्य कम्पनियों, संस्थाओं तथा ट्रस्टों के सहयोग से स्वदेशी उत्पादों हेतु बाजार विकसित करना, ग्रामोद्योग के उत्पादों का क्रय एवं विक्रय, विनिमय सहयोग, कच्चे माल का संग्रह तथा मशीनों की व्यवस्था आदि करना है।

पतंजलि योगपीठ की हरिद्वार स्थित

विभिन्न इकाईयों में उपलब्ध सेवाएं

पतंजलि योगपीठ-I
पतंजलि आयुर्वेदिक हॉस्पिटल

1. काय चिकित्सा/ जनरल मेडिसिन
- नि:शुल्क ओ.पी.डी./ पुराने एवं जटिल रोगों सहित रोगों का चिकित्सकीय परामर्श
- रोगों की शास्त्रोक्त एवं स्वानुभूत आयुर्वेदिक दवाओं द्वारा चिकित्सा व्यवस्था

2. शल्य चिकित्सा/ सर्जरी
- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- भगन्दर, गुदा तथा अर्श में क्षार सूत्र चिकित्सा
- रक्तमोक्षण, जलौकावधारणा व मर्म चिकित्सा आदि
- हर्निया, हाइड्रोसिल, अपेन्डिस, वैरिकोसिल आदि की शल्य चिकित्सा

3. शालाक्य-ई.एन.टी.
- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- नाक, कान, मुख, गला और सिरो रोग से सम्बन्धित रोगों का आयुर्वेदिक चिकित्सा कर्म
- अत्याधुनिक उपकरणों के द्वारा रोगी का परीक्षण
- शिर:शूल, नासागत रोगों की आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा विशेष चिकित्सा

4. शालाक्य-दंत
- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- नि:शुल्क दन्त स्वास्थ्य परीक्षण
- स्केलिंग, फिलिंग, रूट कैनाल
- डेन्टल इम्प्लान्ट, एक्स-रे आदि

5. शालाक्य-नेत्र
- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- नि:शुल्क नेत्र परीक्षण
- लेजर क्लीनिक एवं ग्लुकोमा क्लीनिक आदि
- ईमेजिंग-A स्केन, B स्केन

6. बाल रोग/ पीडियाट्रिक

- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- शिशुओं के रोगों का उपचार
- शिशुओं के टीकाकरण
- फोटोथैरेपी
- बालक के सर्वांगीण विकास हेतु स्वर्ण प्राशन

7. स्त्री एवं प्रसूति/ गायनाकोलॉजी

- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- स्त्री रोगों की चिकित्सा
- गर्भवती स्त्रियों के सुरक्षित प्रसव की सुविधा

8. पंचकर्म चिकित्सा

- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- आयुर्वेदिक दवाओं द्वारा शरीर की शुद्धि
- रोग के अनुसार स्नेहन कर्म, स्वेदन कर्म एवं प्रधान कर्म द्वारा पंचकर्म चिकित्सा
- स्वस्थ व्यक्तियों हेतु शास्त्रोक्त पंचकर्म चिकित्सा

9. स्वस्थ रक्षण/ हाईजीन

- नि:शुल्क ओ.पी.डी./ निरोगी एवं सुखमय जीवन जीने के लिए परामर्श/ रोगों से ग्रसित होने के कारण तथा खान-पान संबंधी परामर्श

10. योग व षट्कर्म चिकित्सा

- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- योग की अत्यन्त प्रभावशाली प्रक्रियाओं के माध्यम से शारीरिक व मानसिक रोगों की चिकित्सा
- कब्ज, कोलाइटिस, नज़ला, जुकाम, अस्थमा, हृदय रोग, पुराना सिरदर्द, बेचैनी, अवसाद आदि की अमोघ चिकित्सा
- आधुनिक समय की जटिल, तनावपूर्ण, दैनिक समस्याओं का वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं चिकित्सा
- प्रत्येक घण्टे नि:शुल्क योग कक्षा, प्रतिदिन सांय 4 बजे विशेष योग कक्षा

11. फिजियोथैरेपी

- नि:शुल्क ओ.पी.डी.
- जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, गठिया की चिकित्सा
- स्पोर्ट्स इंजरी, नर्व्स इंजरी की चिकित्सा
- मोम व भाप की सिकाई आदि

12. अंतरंग चिकित्सा विभाग/ आई.पी.डी.

- पुरुष, महिला व बच्चा वार्ड युक्त 100 बिस्तरों वाला अंतरंग चिकित्सा विभाग जहां रोगानुसार भोजन की व्यवस्था उपलब्ध है

परीक्षण केन्द्र/ डायग्नोस्टिक सेन्टर्स

1. पैथोलॉजी

- विश्व स्तरीय उपकरणों से सुसज्जित
- सम्पूर्ण शारीरिक जाँच
- कैंसर, ट्यूमर आदि रोगों से संबंधित जाँच
- रक्त, मल, मूत्र, वीर्य आदि की जाँच

2. रेडियोलॉजी

- अल्ट्रासाउण्ड
- एक्स-रे
- ई.सी.जी.

पतंजलि योगपीठ औषधालय/ डिस्पेंसरी

दवाएं व अन्य हर्बल उत्पाद

- दिव्य फार्मेसी एवं पतंजलि आयुर्वेद लि. द्वारा निर्मित विश्व स्तरीय, गुणवत्ता युक्त दवाएं एवं अन्य हर्बल उत्पाद उपलब्ध हैं

पतंजलि आयुर्वेद चिकित्सालय की विशेषताएं:

- प्रतिदिन एक-एक घण्टे के अन्तराल पर नि:शुल्क योग कक्षा
- बच्चों के मानसिक व सम्पूर्ण शारीरिक विकास हेतु

स्वर्ण प्राशन संस्कार

- एक्ज़ीक्यूटिव बॉडी चेक-अप तथा जनरल बॉडी चेक-अप
- जले, कटे, चोट आदि की प्राथमिक चिकित्सा
- स्वस्थ व्यक्तियों के Rejuvenation के लिए पंचकर्म एवं षट्कर्म का संयुक्त पैकेज
- सामान्य रोगों जैसे बुखार, खांसी, सर्दी, जुकाम, डायरिया आदि का नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श व नि:शुल्क दवा वितरण की सुविधा
- 24 घण्टे एम्बुलेंस की सुविधा

आयुर्वेद अनुसंधान

- साध्य-असाध्य रोगों पर आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रभाव पर अनुसंधान
- आयुर्वेद के प्राच्य ग्रंथों, संहिताओं सहित जड़ी-बूटी अनुसंधान

योग अनुसंधान

- विश्व स्तरीय अनुसंधान उपकरणों से सुसज्जित लैब में योग की प्रभावशाली प्रक्रियाओं से मनुष्य के शारीरिक व मानसिक स्तर में होने वाले परिवर्तन पर अनुसंधान

पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय

- बी.ए.एम.एस. (आयुर्वेदाचार्य) उपाधि हेतु पाठ्यक्रम का संचालन
- प्रतिवर्ष 50 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था
- अत्याधुनिक विशालकाय परिसर, छात्र एवं छात्राओं हेतु पृथक-पृथक छात्रावास की सुविधा
- सुयोग्य एवं अनुभवी शिक्षकों युक्त संकाय
- प्रयोगात्मक कार्यों के लिए आधुनिक उपकरणों से युक्त लैब तथा विश्व का विशाल व अत्याधुनिक आयुर्वेदिक हॉस्पिटल

पतंजलि विश्वविद्यालय

- बी.ए., एम.एस.सी. (योग विज्ञान), एम.ए. (योग विज्ञान/ मनोविज्ञान) उपाधि हेतु पाठ्यक्रम
- पंचकर्म, योग विज्ञान एवं योग स्वास्थ्य तथा सांस्कृतिक पर्यटन में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा
- सुयोग्य एवं अनुभवी शिक्षकों युक्त संकाय

योग संदेश

- योग संदेश योग, अध्यात्म, आयुर्वेद, संस्कृति एवं संस्कार की संवाहक अनुसंधानात्मक मासिक पत्रिका है। यह मुख्यत: 13 भाषाओं यथा- हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, पंजाबी, बंगाली, उड़ीया, असमिया, नेपाली, कन्नड़, तेलुगु, तमिल तथा मलयालम में प्रकाशित होती है। इसके देश तथा विदेश में 10 लाख से अधिक पाठक हैं
- 1 वर्ष, 5 वर्ष तथा 11 वर्ष की सदस्यता में उपलब्ध

दिव्य प्रकाशन

- प.पू. योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज तथा श्रद्धेय आचार्य बालकृष्णजी द्वारा योग, आयुर्वेद, संस्कार तथा अध्यात्म आदि विषयों पर लिखित पुस्तकों का प्रकाशन एवं विक्रय

ई-मेल : www.divyaprakashan.com

दिव्य योग साधना

- प.पू. योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज के भजनों एवं योग क्रियाओं व प्राणायाम आदि की वी.सी.डी./डी.वी.डी./एम.पी.-3 का निर्माण एवं वितरण

अन्नपूर्णा (कैंटीन)

- शुद्ध एवं सात्विक भोजन व जलपान की सुविधा
- रोगियों हेतु चिकित्सकीय परामर्शानुसार विशेष भोजन की व्यवस्था

पतंजलि हर्बल गार्डन/ दिव्य नर्सरी

- औषधीय पादपों का संरक्षण, संवर्द्धन एवं अनुसंधान
- औषधीय, सौन्दर्यकरण एवं फलदार पौधों का उत्पादन एवं विक्रय
- जैविक खाद (वर्मी कंपोस्ट/ नैडप) उत्पादन व विक्रय

पतंजलि योगपीठ-II

योग चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र

- 950 कक्षों में रोगियों/ आगन्तुकों/ शिविरार्थियों हेतु वातानुकूलित एवं गैर वातानुकूलित आवास व्यवस्था
- योगाभ्यास/ योग शिविरों हेतु 2 लाख वर्गफुट का विशाल एयर कूल्ड तथा 60 हजार वर्गफुट का विशाल वातानुकूलित ऑडिटोरियम
- चिकित्सकीय परीक्षणों युक्त आवासीय योग विज्ञान शिविर
- प्रतिदिन नि:शुल्क योग कक्षाओं का संचालन
- दुपहिया तथा चौपहिया वाहनों हेतु पृथक-पृथक सुरक्षित पार्किंग की सुविधा

प्रसादम् (कैंटीन)

- शुद्ध एवं सात्विक भोजन व जलपान की सुविधा

राजीव दीक्षित भवन

भारत स्वाभिमान मुख्यालय

- विश्वभर में भारत स्वाभिमान इकाईयों के माध्यम से योग, सामाजिक व राष्ट्रीय उन्नयन संबंधी सेवाओं का संचालन व नियंत्रण

वानप्रस्थ आश्रम

- परम पूज्य स्वामी रामदेवजी महाराज के शुभ आशीर्वाद से हरिद्वार की पवित्र भूमि पर 50 वर्ष से अधिक उम्र के स्वस्थ दम्पत्तियों के लिए सेवा, ध्यान, सत्संग, यज्ञ, प्राणायाम एवं आध्यात्मिक उन्नयन का सर्वोत्तम स्थान

महर्षि वाल्मिकि आश्रम

नि:शुल्क आवास व्यवस्था

- निर्धन एवं असहाय व्यक्तियों/ रोगियों हेतु नि:शुल्क आवास व्यवस्था
- स्वच्छ, सुन्दर व आधुनिक कक्ष

संत रविदास लंगर

नि:शुल्क भोजन व्यवस्था

- निर्धन एवं असहाय व्यक्तियों/ रोगियों हेतु नि:शुल्क भोजन व्यवस्था

आचार्यकुलम् आवासीय शिक्षण संस्थानम्

निकट पतंजलि योगपीठ-II

- भारतवर्ष की प्राचीन वैदिक गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति तथा आधुनिक C.B.S.E./ N.C.E.R.T. शिक्षा का दिव्य संगम
- कक्षा 5 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों हेतु आवासीय विद्यालय
- अत्याधुनिक सुविधाओं व उपकरणों से सुसज्जित विश्वस्तरीय विशाल परिसर

गुरुकुल गौशाला फार्म

बहादरपुर सैनी, हरिद्वार

- 350 से अधिक हरियाणवी, साहिवाल और गुजराती नस्ल की उच्च श्रेणी की गायों के पालन-पोषण द्वारा गौ संरक्षण, संवर्धन एवं पंचगव्य अनुसंधान
- 12 किलोवॉट की क्षमता का बॉयोगैस प्लांट
- रसायनिक खाद व कीटनाशक मुक्त कृषि व उसका प्रशिक्षण
- गाँव पर आधारित कुटीर उद्योगों जैसे-मिट्टी के बर्तन, साबुन, फिनाईल, लकड़ी, मोम का सामान एवं गौ-अर्क आदि बनाने का प्रशिक्षण

कृपालु बाग आश्रम, कनखल

- आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श की सुविधा
- औषधी/ हर्बल उत्पाद विक्रय

दिव्य फार्मेसी

A-1, औद्योगिक क्षेत्र, हरिद्वार

- ऋषियों एवं आधुनिक तकनीक के समन्वय से विशाल आयुर्वेदिक दवा निर्माण इकाई
- आई.एस.ओ. 9001:2000, आई.एस.ओ. 9001:14001:18001, डब्लू.एच.ओ., जी.एम.पी., जी.पी.पी., जी.एल.पी. प्रमाणित

योगग्राम, निकट सिडकुल, हरिद्वार

योग-प्राकृतिक-पंचकर्म चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र

- प्रकृति की सुरम्य गोद में विभिन्न साध्य-असाध्य रोगों का प्राकृत व योग/पंचकर्म चिकित्सा द्वारा उपचार
- अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित
- वातानुकूलित एवं गैर वातानुकूलित आवास सुविधा
- नौकायन, घुड़सवारी आदि की सुविधा

पतंजलि आयुर्वेद लि.

पतंजलि आयुर्वेद लि., कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत एक पब्लिक लि. कम्पनी है। पतंजलि आयुर्वेद लि. की अत्याधुनिक संयन्त्रों से युक्त तीन वृहद् इकाईयाँ हरिद्वार के औद्योगिक क्षेत्र, ग्राम पदार्था तथा पतंजलि योगपीठ की नर्सरी साईट में स्थित हैं। इन औद्योगिक इकाईयों को शुद्ध, गुणवत्तायुक्त एवं वैज्ञानिक रूप से विकसित खनिज एवं वानस्पतिक उत्पादों के निर्माण हेतु स्थापित किया गया है। आयुर्वेद को विज्ञान सम्मत रूप से स्थापित करने के उद्देश्यों के साथ अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और प्राचीन ज्ञान के समन्वय से पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2006 में की। उक्त इकाईयों को अत्याधुनिक सेवाओं एवं संसाधनों हेतु ISO 9001, ISO 1800, WHO, GMP, GLP आदि प्रमाण पत्र प्राप्त हैं।

कम्पनी के मेमोरेन्डम के अनुसार अन्य उद्देश्यों के साथ-साथ कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेदिक तथा हर्बल उत्पादों तथा लाइफ सेविंग ड्रग्स का निर्माण, परिष्करण, आयात, निर्यात, तथा क्रय-विक्रय है।

पतंजलि आयुर्वेद लि. के प्रभाग

- पैकेजिंग मेटिरियल तथा कन्टेनर्स के साथ-साथ फ्लोर मिल, कैण्डी प्लांट, हर्बल कॉस्मेटिक एण्ड डिटर्जेन्ट प्लांट तथा जूस प्लांट आदि 12 प्रभाग सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।
- को-पैकिंग फैसिलिटी- टैट्रा पैक तथा वोलपैक
- मल्टी-फ्रूट जूस प्रोसेसिंग लाईन
- न्यूट्रास्यूटिकल प्रोसेसिंग लाईन
- 85000 से ज्यादा रिटेल आउटलैट

वर्तमान में कम्पनी द्वारा खाद्य पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन तथा आयुर्वेदिक औषधियों में लगभग 200 घरेलू उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है तथा बहुत से उत्पाद बाजार में आने शेष हैं।

पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क प्रा. लि.

पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क प्रा. लि., कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत एक प्राईवेट लि. कम्पनी है। देश में योग क्रान्ति के बाद कृषि क्रान्ति के उद्देश्य से हरिद्वार जिले के पदार्था ग्राम में भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से व आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के निर्देशन में विश्व के सबसे बड़े फूड एवं हर्बल पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 500 करोड़ रुपए की राशि से निर्मित होने वाले इस पार्क के बनने के पश्चात् कृषकों को उनकी उपजों का उचित मूल्य मिलेगा जिससे किसानों एवं देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस फूड पार्क से लगभग 15000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है।

हरिद्वार, उत्तराखण्ड से बाहर

पतंजलि योगपीठ की सेवाएं

प्रत्यक्ष सेवाएँ

(क) गैर आवासीय योग शिविर

संस्थान द्वारा पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज के सान्निध्य में गैर आवासीय योग विज्ञान शिविरों का आयोजन किया जाता है। देश एवं विदेश में आयोजित इन गैर आवासीय शिविरों से अब तक 1.5 करोड़ से ज्यादा लोग लाभान्वित हो चुके हैं। गैर आवासीय शिविरों का आयोजन शरद तथा ग्रीष्म ऋतु में प्रात: एवं सायंकालीन सत्र में किया जाता है जिसकी अवधि मुख्यत: 7 दिन होती है।

(ख) योग कक्षाएँ

केन्द्र, राज्य, खण्ड, प्रखण्ड, जिला तथा ग्रामीण स्तर पर स्थापित 650 से ज्यादा पतंजलि योग समितियाँ योग के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित हैं। लगभग 1 लाख प्रशिक्षित योग शिक्षक इन योग समितियों से सम्बद्ध हैं। इन प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में प्रात: एवं सायं नि:शुल्क योग कक्षाओं का आयोजन किया जाता है जिनके माध्यम से करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इन समीतियों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों जैसे- दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह तथा व्यसनों के विरुद्ध जनजागरण का कार्य।

(ग) वृक्षारोपण

प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखने में पेड़-पौधों का विशेष महत्व है। इसी दृष्टिकोण को केन्द्र बिन्दु मानते हुए संस्थान द्वारा वृक्षारोपण पर विशेष बल दिया जाता है तथा साथ ही वृक्षारोपण के लिए लोगों को प्रेरित भी किया जाता है।

इसी क्रम में विगत कई वर्षों से 4 अगस्त को पतंजलि योगपीठ द्वारा जड़ी-बूटी दिवस मनाया

जाता है। इस अवसर पर संस्था तथा देशभर में स्थित 600 से अधिक पतंजलि जिला समितियों के माध्यम से औषधीय पौधों का नि:शुल्क वितरण तथा वृक्षारोपण किया जाता है। इस अवसर पर कृषि के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले महानुभावों को **'पतंजलि कृषि गौरव'** पुरस्कार से सम्मानित

भी किया जाता है।

(घ) रक्तदान

मानव सेवा में रक्तदान की तुलना महादान से की गई है। संस्थान ने पतंजलि जिला समितियों के माध्यम से रक्तदान शिविरों का आयोजन कर सेवा के इस महान कार्य में अपनी सहभागिता

दर्ज करायी है। स्वयं पूज्य स्वामीजी महाराज ने कई बार रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया है।

स्थानीय स्तर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रेड रिबन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसमें रक्तदान शिविरों के माध्यम से पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रक्तदान किया जाता है।

(ङ) गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा

यह गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार से सम्बद्ध छात्रों हेतु एक उच्च माध्यमिक आवासीय विद्यालय है। परम पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेवजी

महाराज के संरक्षण में स्थापित शहरी जीवन की भाग-दौड़ व उथलपुथल से परे रेवाड़ी, हरियाणा से 8 किमी. दूर किशनगढ़, घासेड़ा में स्थित है। इस विद्यालय का संचालन आर्चाकुल शिक्षण संस्थान द्वारा किया जाता है जिसके माध्यम से जाति, पंथ, धर्म और क्षेत्र के निरपेक्ष विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा देकर, उनके शारीरिक व मानसिक संतुलन को बनाकर हमारी संस्कृति, सभ्यता तथा आधुनिक विज्ञान एवं तकनीकि की अगाध दृष्टि के अनुरूप जिम्मेदार नागरिकों का सृजन किया जा रहा है।

(च) पतंजलि गौ-विज्ञान एवं जड़ी-बूटी कृषि अनुसंधान संस्थान-धराली, उत्तरकाशी

- गौ संरक्षण, संवर्धन एवं पंचगव्य अनुसंधान
- रसायनिक खाद व कीटनाशक मुक्त जैविक जड़ी-बूटी कृषि व उसका प्रशिक्षण
- गाँव पर आधारित कुटीर उद्योगों का प्रशिक्षण

(छ) पतंजलि चिकित्सालय-पटना

- आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श की सुविधा
- औषधी/ हर्बल उत्पाद विक्रय

पतंजलि चिकित्सालय-रांची

- आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श की सुविधा
- औषधी/ हर्बल उत्पाद विक्रय

अप्रत्यक्ष सेवाएँ

इसके साथ ही लगभग 270 मेगा स्टोर, 2000 पतंजलि चिकित्सालय, 3000 पतंजलि आरोग्य केन्द्र तथा 5000 पतंजलि स्वदेशी केन्द्र मानव सेवा में पतंजलि योगपीठ की चिकित्सा व्यवस्था का अनुसरण कर रहे हैं।

हमारे अन्तर्राष्ट्रीय ट्रस्ट

हमारे अन्तर्राष्ट्रीय ट्रस्ट

पतंजलि योगपीठ तथा योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज के उद्देश्यों तथा दर्शन के प्रचार-प्रसार तथा उन्हें कार्यान्वित करने के उद्देश्य से पतंजलि योगपीठ (यू.के.) ट्रस्ट, पतंजलि योग फाउंडेशन (ट्रस्ट) यू.एस.ए., पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) कनाडा, पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) काठमाण्डू, नेपाल तथा पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) मॉरिशस की स्थापना की गई है। ये सभी ट्रस्ट योग एवं आयुर्वेद के साथ-साथ भारतीय संस्कृति तथा दर्शन के महान एवं उद्दात्त पहलुओं के क्रियान्वयन, प्रचार-प्रसार तथा वेद एवं उपनिषद् के अध्यापन में दिन-रात संलग्न हैं। पतंजलि योगपीठ (यू.के.) ट्रस्ट का भव्य मुख्यालय स्कॉटलैण्ड के लिटिल कम्बरे द्वीप पर तथा पतंजलि योग फाउण्डेशन (ट्रस्ट), यू.एस.ए. का मुख्यालय ह्यूस्टन में स्थापित किया गया है।

लिटिल कम्बरे द्वीप, स्कॉटलैण्ड, यू.के.

पतंजलि योगपीठ (यू.के.) ट्रस्ट का भवन

पतंजलि योग फाउण्डेशन (ट्रस्ट) यू.एस.ए. का भूमि पूजन समारोह

पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) नेपाल का भवन

प्राकृतिक आपदाओं में सामाजिक सेवाएं

मुम्बई के शहीदों का सम्मान

- पतंजलि योगपीठ ने देश के स्वतंत्रता के पश्चात के इतिहास में देश पर हुए सबसे बड़े आतंकवादी हमले में शहीद हुए परिवारों के सदस्यों का दिल्ली में सार्वजनिक सम्मान किया
- प्रत्येक शहीद के परिवार को सम्मान राशि के रूप में 5-5 लाख रुपये की राशि भेंट की गई।

आपदा प्रबंधन में सक्रिय भागीदारी

- **सुनामी (2004)**
  दिसम्बर 2004 में सुनामी आपदा से प्रभावित व्यक्तियों को परोक्ष रूप से सहायता प्रदान की गई तथा संस्था द्वारा 50 लाख रुपये की राशि पीड़ितों के सहायतार्थ प्रदान की गई।
- **बिहार बाढ़ (2008)**
  2008 में बिहार में सदी की सबसे भयानक बाढ़ के पीड़ितों की सहायता के लिए पतंजलि योगपीठ सबसे बड़े गैर सरकारी संगठन के रूप में उभरा।
  इस भयानक बाढ़ ने बिहार के सोलह जिलों के सोलह सौ गांवों के चालीस लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया। देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य में अलग-अलग गांवों में बीस लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए और पिछले 50 साल में देश में आयी इस भीषणतम बाढ़ के कारण लगभग 2.5 लाख घर तबाह हुए हैं।
  बाढ़ राहत और सहायता का कार्य बाढ़ प्रभावित जिलों में 50 से ज्यादा जगहों पर चलाया गया जिसमें प्रतिदिन लाखों लोगों को निःशुल्क भोजन, कपड़ा इत्यादि वितरित किया गया। परम पूज्य स्वामी रामदेवजी महाराज तथा श्रद्धेय आचार्य बालकृष्णजी महाराज के निर्देशन में पतंजलि योगपीठ के 15,000 से ज्यादा स्वयंसेवक बिहार बाढ़ आपदा प्रभावित लोगों की सहायता में संलग्न थे। परम पूज्य स्वामीजी महाराज एवं श्रद्धेय आचार्यजी महाराज प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे लोगों की सहायता के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गये।

- **उत्तराखण्ड बाढ़/ आपदा (2013)**

परम पूज्य स्वामी रामदेवजी महाराज के निर्देशन में पतंजलि योगपीठ बड़े पैमाने पर उत्तराखण्ड बाढ़/ आपदा प्रभावित लोगों की सहायता में संलग्न है। ट्रस्ट के महामंत्री श्रद्धेय आचार्य बालकृष्णजी स्वयं अपने स्वयंसेवकों की टीम के साथ केदारघाटी के पास गुप्तकाशी से राहत कार्य में जुट गये। उत्तराखण्ड के बुरी तरह से प्रभावित क्षेत्रों जैसे गुप्तकाशी, रूद्रप्रयाग और जोशीमठ इत्यादि में पका भोजन, दवाईयां तथा पानी वितरित करने हेतु बड़े-बड़े राहत शिविर स्थापित किये गये। ट्रस्ट द्वारा अपने स्वयंसेवकों की सहायता से सड़क मार्ग से दूर रह रहे आपदा पीड़ित लोगों को कई टन खाद्य सामग्री जैसे बिस्कुट, गेहूं का आटा, नमक, मसाले, सरसों का तेल, पानी इत्यादि वितरित किया गया।

- **गुप्तकाशी (उत्तराखण्ड) के निकट नारायणकोटि में अनाथ बच्चों के लिए आश्रम**

ट्रस्ट ने उत्तराखण्ड प्राकृतिक आपदा में अनाथ तथा असहाय हुए बच्चों को अपनाने की दिशा में पहल की है। संस्था ने 101 अनाथ बच्चों को आवास देने के उद्देश्य से एक होटल किराये पर लिया है, ये बच्चे इस पतंजलि सेवाश्रम में निवास करते हुए डॉ. जैक्स विग्ने नेशनल स्कूल में नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही इन्हें व अन्य लोगों को औषधीय जड़ी-बूटियों, बढ़ईगीरी आदि रोजगारपरक तथा अन्य परंपरागत कार्यों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

गरीब एवं अनाथ व्यक्तियों हेतु सेवाएं

आयुर्वेद परामर्श/ नि:शुल्क ओ.पी.डी.

पतंजलि आयुर्वेद हॉस्पिटल के समस्त विभागों में नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श/ ओ.पी.डी. की सुविधा उपलब्ध है।

योग परामर्श/ योग कक्षाएं

पतंजलि योगपीठ-। परिसर स्थित बड़े सभागार में लगभग 1000 लोग एक साथ योग का अभ्यास कर सकते हैं। यहाँ नि:शुल्क योग कक्षाओं का संचालन एक-एक घण्टे के अंतराल पर किया जाता है।

महर्षि वाल्मीकि धर्मशाला

हरिद्वार देश की धार्मिक राजधानी है जहां दुनिया भर से प्रतिदिन लाखों तीर्थयात्री आते हैं। उनमें से कुछ समाज के गरीब तबके से हैं जो स्वयं आवास तथा भोजन की व्यवस्था नहीं कर पाते। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए संस्था ने पतंजलि योगपीठ-।। के निकट 86,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक चार मंजिला विशाल धर्मशाला का निर्माण कराया है, जहां 1000 व्यक्तियों के आवास की व्यवस्था है। भू-तल पर 53, प्रथम तल पर 90, द्वितीय तल पर 87 तथा तृतीय तल पर 84 विशाल तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षों का निर्माण कराया गया है। धर्मशाला का नाम महान महाकाव्य 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है।

परिसर में प्रतिदिन यज्ञ का आयोजन होता है जिससे धर्मशाला में आवास करने वाले आगन्तुक/ रोगी भारतीय मान्यताओं तथा परम्पराओं के करीब आ सकें।

संत रविदास लंगर

ट्रस्ट द्वारा महर्षि वाल्मीकि धर्मशाला के समीप 2300 वर्ग फुट क्षेत्र में दो मंजिला लंगर हॉल का निर्माण कराया गया है जहां लगभग 5000 लोग प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन कर सकते हैं। लंगर व्यवस्था प्रतिदिन प्रात: से देर रात्रि तक रहती है। इस लंगर का नाम महान संत रविदास के नाम पर रखा गया है।

नि:शुल्क परिवहन

रोगियों तथा आगन्तुकों हेतु कनखल, हरिद्वार से पतंजलि योगपीठ तक नि:शुल्क परिवहन की भी सुविधा है।

सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी

23 जनवरी 2007 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर संस्था द्वारा 9 अनाथ एवं गरीब कन्याओं का विवाह कराया गया। साथ ही कन्याओं को 5100/- रुपये की एफ.डी.आर. व दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे बर्तन, वस्त्र, घड़ी व बक्स आदि भी भेंट किए गए। इस कार्य को वृहद् स्तर पर किये जाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा जनवरी 2011 में पतंजलि मंगल निधि कोष की स्थापना की गई। इस कोष का प्रयोग संस्था द्वारा सैकड़ों गरीब व अनाथ कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराने में किया गया।

जड़ी-बूटी दिवस

संस्था द्वारा वर्ष 2009 से प्रतिवर्ष 4 अगस्त को जड़ी-बूटी दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर आयुर्वेद तथा कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महानुभावों को 'पतंजलि आयुर्वेद गौरव' तथा 'पतंजलि कृषि गौरव' पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार के रूप में प्रत्येक महानुभाव को 1 लाख रुपये की राशि, शॉल तथा प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाता है।

पतंजलि योगपीठ

द्वारा प्रदत्त रोजगार

पतंजलि योगपीठ द्वारा प्रदत्त रोजगार

संस्था द्वारा विभिन्न गतिविधियों के संचालन हेतु प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को वृहद् स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं:

(क) प्रत्यक्ष रूप से

- **पे-रोल पर :** संस्था ने अपनी विभिन्न इकाईयों में पे-रोल पर हजारों कर्मचारियों की नियुक्ति की है।

- **कान्ट्रेक्ट बेस या आउट सोर्स:** कुछ विशिष्ट सेवाओं जैसे- ऑडिट, हाऊस कीपिंग, सुरक्षा तथा अन्य परामर्श सम्बंधी सेवाओं हेतु कम्पनियों/ परामर्शदाताओं को समय-समय पर अनुबंधित किया जाता है।

- वर्तमान में पतंजलि योगपीठ की विभिन्न इकाईयों में लगभग 14000 कर्मचारी कार्यरत हैं।

(ख) अप्रत्यक्ष रूप से

- लगभग 2000 पतंजलि चिकित्सालय, 3000 पतंजलि आरोग्य केन्द्र तथा 5000 पतंजलि स्वदेशी केन्द्र संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अप्रत्यक्ष रूप से पतंजलि योगपीठ की चिकित्सा पद्धति का अनुसरण कर रहे हैं, जिनके सुचारू संचालन हेतु बहुत बड़ी संख्या में आयुर्वेदिक चिकित्सकों, योग प्रशिक्षकों तथा विक्रेताओं की नियुक्ति की गई है।

पतंजलि योगपीठ द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश कैसे पायें?

आचार्यकुलम् आवासीय शिक्षण संस्थानम्

आचार्यकुलम् आवासीय शिक्षण संस्थानम् में केवल कक्षा 5 में छात्र-छात्राओं के प्रवेश लिये जाते हैं। शिक्षण, आवास व अन्य मिलाकर प्रति विद्यार्थी लगभग 1,80,000/- वार्षिक सहयोग राशि निर्धारित है। प्रवेश प्रक्रिया प्रतिवर्ष नवम्बर-दिसम्बर माह में प्रारम्भ हो जाती है जिसकी विस्तृत सूचना संस्था की वेब साइट- www.acharyakulam.org, www.divyayoga.com तथा आस्था चैनल के माध्यम से प्राप्त कर आवेदन किया जा सकता है।

पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज

पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय में बी.ए.एम.एस (आयर्वुदाचार्य) उपाधि हेतु 4 ½+1 वर्ष (इन्टर्नशिप) कुल 5½ वर्ष का पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक वर्ष 100 विद्यार्थियों का प्रवेश किया जाता है। बी.ए. एम.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम निर्धारित योग्यता के रूप में इण्टरमीडिएट (10+2) परीक्षा में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान विषय में सम्मिलित रूप में 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रबन्धकीय एवं शासकीय सीटों के लिए निर्धारित प्रवेश परीक्षा में भी न्यूनतम 50% अंक होने पर तथा परीक्षा में प्राप्त अंकों की योग्यता सूची के अनुसार ही काउन्सिलिंग के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। इस पाठयक्रम के लिए छात्रों से वर्तमान में शिक्षण सहयोग राशि रु0 2,15,000/- वार्षिक तथा हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु0 48,000/- वार्षिक लिया जाता है।

आवेदन कैसे करें:- शासकीय एवं प्रबन्धकीय कोटे की सीटों पर प्रवेश National Eligibility cum Entrance Test (NEET) के माध्यम से किया जाता है। जिस की काउन्सिलिंग का आयोजन उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा रैंक के अनुसार किया जाता है। इस काउन्सिलिंग में भाग लेने हेतु सामान्य अभ्यर्थियों को NEET परीक्षा में 50 परसेंटाइल, एस.सी./एस.टी. एवं ओ.बी.एसी. को 40 परसेंटाइल तथा सामान्य विकलांग अभ्यर्थियों को 45 परसेंटाइल न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

एम.डी./एम.एस. (आयुर्वेद वाचस्पति/आयुर्वेद धनवंतरी)

पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय में संहिता संस्कृत एवं सिं एम.डी./एम.एस उपाधि हेतु वर्ष (इन्टर्नशिप) कुल 3 वर्ष का पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक वर्ष आठ विषयों (मौलिक सिद्धान्त, क्रिया शारीर, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, कायचिकित्सा, पंचकर्म) में 40 विद्यार्थियों का (प्रत्येक विषय में पाँच सीटों पर) प्रवेश किया जाता है। बी.ए,एम.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम निर्धारित योग्यता बी.ए,एम.एस. 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रबन्धकीय एवं शासकीय सीटों के लिए निर्धारित प्रवेश परीक्षा में भी न्यूनतम 50% अंक होने पर तथा परीक्षा में प्राप्त अंकों की योग्यता सूची के अनुसार ही काउन्सिलिंग के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। इस पाठयक्रम के लिए छात्रों से वर्तमान में शिक्षण सहयोग राशि रु0 3,15,000/- वार्षिक तथा हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु0 48,000/- वार्षिक लिया जाता है।

आवेदन कैसे करें:- शासकीय एवं प्रबन्धकीय कोटे की सीटों पर प्रवेश All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIAPGET) के माध्यम से किया जाता है। जिस की काउन्सिलिंग का आयोजन उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा रैंक के अनुसार किया जाता है।

पतंजलि विश्वविद्यालय

1. **बी.ए. (योग विज्ञान के साथ)**

   अवधि : तीन वर्ष (छः सेमेस्टर)

   प्रवेश अर्हता : प्रार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 में कम से कम 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण

हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

अधिकतम आयु : 25 वर्ष।

शिक्षण, हॉस्टल तथा मैस सहयोग राशि: वार्षिक शिक्षण सहयोग राशि 20,000/- रुपये है, जिसका 50% प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारम्भ में एकमुश्त देय है। हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु. 4000/- प्रति माह है।

अध्ययन के विषय :

1. योग विज्ञान (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक)
2. सांस्कृतिक पर्यटन
3. मनोविज्ञान (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक)
4. दर्शन शास्त्र
5. संस्कृत

2. एम.ए. (योग विज्ञान / मनोविज्ञान/ संस्कृत/ ट्रेवल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट/ अंग्रेजी)

अवधि : दो वर्ष (चार सेमेस्टर)

प्रवेश अर्हता : प्रार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2+3 में कम से कम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

अधिकतम आयु : 30 वर्ष।

शिक्षण, हॉस्टल तथा मैस सहयोग राशि : वार्षिक शिक्षण सहयोग राशि 25,000/- रुपये है, जिसका 50% प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारम्भ में एकमुश्त देय है। हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु. 4000/- प्रति माह है।

3. एम.एस.सी. (योग विज्ञान)

अवधि : दो वर्ष (चार सेमेस्टर)

प्रवेश अर्हता : प्रार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2+3 में कम से कम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

अधिकतम आयु : 30 वर्ष।

शिक्षण, हॉस्टल तथा मैस सहयोग राशि : वार्षिक शिक्षण सहयोग राशि 25,000/- रुपये है, जिसका 50% प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारम्भ में एकमुश्त देय है। हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु. 4000/- प्रति माह है।

4. पंचकर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

अवधि : एक वर्ष (दो सेमेस्टर)

प्रवेश अर्हता : प्रार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से आयुर्वेद में स्नातक की उपाधि कम से कम 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

अधिकतम आयु : 35 वर्ष।

शिक्षण, हॉस्टल तथा मैस सहयोग राशि : वार्षिक शिक्षण सहयोग राशि 50,000/- रुपये है, जिसका 60% प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारम्भ में एकमुश्त देय है। हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु. 4000/- प्रति माह है।

5. **योग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

अवधि : एक वर्ष (दो सेमेस्टर)

प्रवेश अर्हता : प्रार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 10+2+3 में कम से कम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

अधिकतम आयु : 35 वर्ष।

शिक्षण, हॉस्टल तथा मैस सहयोग राशि : वार्षिक शिक्षण सहयोग राशि 30,000/- रुपये है, जिसका 50% प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारम्भ में एकमुश्त देय है। हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु. 4000/- प्रति माह है।

6. **योग स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

अवधि : एक वर्ष (दो सेमेस्टर)

प्रवेश अर्हता : प्रार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 10+2+3 में कम से कम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

अधिकतम आयु : 35 वर्ष।

शिक्षण, हॉस्टल तथा मैस सहयोग राशि : वार्षिक शिक्षण सहयोग राशि 25,000/- रुपये है, जिसका 50% प्रत्येक सेमेस्टर के प्रारम्भ में एकमुश्त देय है। हॉस्टल एवं मैस सहयोग राशि रु. 4000/- प्रति माह है।

7. **पी-एच.डी. (योग विज्ञान/ संस्कृत)**

अवधि : तीन से पाँच वर्ष

प्रवेश अर्हता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विषय में स्नातकोत्तर में कम से कम 55% के साथ उत्तीर्ण (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ पिछड़ा वर्ग हेतु 5% प्रवेश छूट मान्य होगी)

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

पाठ्यक्रम शुल्क 50,000/- रुपये है, शोध प्रबन्ध 20,000/-, मासिक शुल्क 1000/- (प्रत्येक तीन माह के प्रगति-पत्र के साथ)

8. **पी-जी.डी. (हिन्दुस्तानी म्यूजिक)**

अवधि : एक वर्ष

सीट : 40

प्रवेश अर्हता : स्नातक।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

सत्र शिक्षण शुल्क : 5500/-

9. **बी.पी.ई.एस. (बैचलर ऑफ फिजिकल एजूकेशन एण्ड स्पोर्ट्स)**

अवधि : तीन वर्ष

सीट : 20

प्रवेश अर्हता : इण्टरमीडिएट परीक्षा 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

सत्र शिक्षण शुल्क : 12,500/-

क्रीड़ा शुल्क : 5000/-

10. एक वर्षीय सहायक पाठ्यक्रम (ब्रिज कोर्स)- संस्कृत

अवधि : एक वर्ष

सीट : 50

प्रवेश अर्हता : इण्टरमीडिएट।

प्रवेश : प्रवेश श्रेष्ठता व साक्षात्कार के आधार पर होगा।

सत्र शिक्षण शुल्क : 10,000/-

आवेदन कैसे करें:-

विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु जून-जुलाई माह में आवेदन पत्र विवरणिका विश्वविद्यालय से रुपये 1000/- का बैंक ड्राफ्ट जोकि 'पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार' के नाम देय हो, के भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है और डाक द्वारा मंगवाने पर 50/- रुपये डाक व्यय अतिरिक्त देय होगा। आवेदन पत्र मंगवाने व भरने की अंतिम तिथि जुलाई माह की अन्तिम दिनांक होती है। इस सम्बन्ध में सूचना आस्था चैनल तथा संस्था की वेब साइट- www.uop.edu.in के माध्यम से प्राप्त कर आवेदन किया जा सकता है।

अन्य शुल्क विवरण:

1.	आवासीय शुल्क	:	1500/- प्रतिमाह
2.	भोजन शुल्क	:	2500/- प्रतिमाह
3.	परीक्षा शुल्क	:	1000/- प्रति सत्र
4.	क्रीड़ा शुल्क	:	1000/- वार्षिक
5.	निर्धारित गणवेश	:	3500/- प्रवेश के समय एकमुश्त (दो जोड़ी कुर्ता-पायजामा/ सलवार-कुर्ता, रुपये 1,500 + ट्रैकसूट रुपये 1,000/- + ब्लेजर रुपये 1,000/-)
6.	षट्कर्म सामग्री	:	500/- रुपये प्रवेश के साथ एकमुश्त
7.	सुरक्षा धनराशि	:	5000/- रुपये एकमुश्त

नोट: आचार्यकुलम्, पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज तथा पतंजलि विश्वविद्यालय की सहयोग राशि (शिक्षण, हॉस्टल एवं मैस) संस्था प्रबंधन के निर्णयानुसार परिवर्तनीय हैं।

दान/सहयोग कैसे करें?

1. पतंजलि योगपीठ की वृहद् गतिविधियों के संचालन में आप भी सहभागी बन सकते हैं। इच्छुक दानदाता इच्छित श्रेणी की सदस्यता/ सामान्य दान सहयोग राशि के रूप में 'पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट)' के नाम हरिद्वार में देय चैक अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर सकते हैं। चैक या ड्राफ्ट सीधे पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार पधार कर अथवा डाक द्वारा पतंजलि योगपीठ के पते पर प्रेषित कर सकते हैं।

या

2. इच्छुक दानदाता बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थानीय सी.बी.एस. शाखा में खाता संख्या 27110100022965, IFSC Code BOB0BLYHAR अथवा पी.एन.बी. की स्थानीय सी.बी.एस. शाखा में खाता संख्या 4063000100089119, IFSC Code PUNB0406300 अथवा एस.बी.आई. की स्थानीय सी.बी.एस. शाखा में खाता संख्या 30401084198, IFSC Code SBIN0012228 में अपना धन जमा कराकर, बैंक की मुहर लगी पे-इन-स्लिप अपने दान प्रपत्र के साथ लगाकर पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में स्वयं अथवा डाक द्वारा प्रेषित कर सकते हैं।

या

3. आप हमारी वेबसाईट www.pyptdonation.divyayoga.com पर जाकर आनलाईन (ON-LINE) दान देकर भी पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) का सहयोग कर सकते हैं।

4. विदेश में प्रवास करने वाले इच्छुक दानदाता अपने निकटस्थ बैंक में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के F.C.R.A. खाता संख्या 30523427810, SWIFT CODE SBININBB225 में दानराशि जमा कराकर, बैंक की स्टैम्प लगी पे-इन-स्लिप अपने दान-प्रपत्र के साथ पतंजलि योगपीठ के पते पर कोरियर अथवा डाक द्वारा प्रेषित कर सकते हैं तथा उसकी स्कैन कॉपी हमारी ई-मेल आई.डी. donation@divyayoga.com पर भी प्रेषित कर सकते हैं।

पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) का सदस्यता प्रपत्र

क्रमांक ..... सदस्यता कोड ..... रसीद संख्या .....

अपना नवीनतम स्टैम्प साइज फोटो यहाँ लगायें।

सेवा में,

महामंत्री,
पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट)
महर्षि दयानंद ग्राम, दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग,
हरिद्वार-249405, उत्तराखण्ड, भारत।

महोदय,

मैं .....

सुपुत्र/ सुपुत्री/ धर्मपत्नी.....

पतंजलि योगपीठ की सदस्यता की निम्न श्रेणी हेतु आवेदन करना चाहता हूँ/चाहती हूँ :

कॉरपोरेट सदस्य (दान राशि 11,00,000/- या इससे अधिक) ☐ संस्थापक सदस्य (दान राशि 5,00,000/-) ☐

संरक्षक सदस्य (दान राशि 2,50,000/-) ☐ आजीवन सदस्य (दान राशि 1,00,000/-) ☐

विशिष्ट सदस्य (दान राशि 51,000/-) ☐ सम्मानित सदस्य (दान राशि 21,000/-) ☐

साधारण सदस्य (दान राशि 11,000/-) ☐ अन्य ☐

मेरा व्यक्तिगत विवरण निम्न प्रकार है :

1. नाम .....
2. लिंग : पुरूष ☐ महिला ☐
3. पिता/पति का नाम .....
4. आयु ..... 5. जन्मतिथि .....
6. शैक्षिक योग्यता ..... 7. व्यवसाय .....
8. स्थाई पता (साफ व स्पष्ट शब्दों में) .....

.....

9. वर्तमान डाक पता (साफ व स्पष्ट शब्दों में) .....
10. फोन न0 (कार्यालय एवं निवास एस.टी.डी. एवं आई.एस.डी. के साथ).....

.....

11. मोबाइल न. ..... 12. ई-मेल: .....
13. पैन संख्या (अधिकारी के पद सहित-सर्किल/वार्ड/स्थान) .....
14. भाषा जिसमें 'योग संदेश' पत्रिका मंगाना चाहते हैं :

हिन्दी	☐	अंग्रेजी	☐	गुजराती	☐	मराठी	☐	बंगला	☐
उड़िया	☐	नेपाली	☐	पंजाबी	☐	असमिया	☐	कन्नड़	☐
तेलुगु	☐	तमिल	☐	मलयालम	☐				

घोषणा

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि मैंने पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की सदस्यता हेतु प्रपत्र के अंत में वर्णित आवश्यक नियमों एवं प्रपत्र के साथ संलग्न पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के उद्देश्यों को भली-भाँति पढ़ लिया है। मैं सभी संबंधित नियमों का पूर्णतः पालन करूंगा/करूंगी। किसी भी स्थिति में, मेरे द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर, पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) मेरे विरूद्ध बिना कोई कारण बताये, किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिये स्वतंत्र है, जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व मेरा अपना होगा। मुझे पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के नियमों के आधार पर पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) का सदस्य बनाने की कृपा करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

लेखा पत्र

क्रमांक ..... सदस्यता कोड ..... रसीद संख्या .....

प्रदत्त दान का लेखा-जोखा

1. सदस्य का नाम व पूर्ण पता .....
.....

2. सदस्यता की श्रेणी : (संबंधित पर सही ☑ का निशान लगायें।)

कॉरपोरेट सदस्य(दान राशि 11,00,000/-या इससे अधिक)	☐	संस्थापक सदस्य (दान राशि 5,00,000/-)	☐
संरक्षक सदस्य (दान राशि 2,50,000/-)	☐	आजीवन सदस्य (दान राशि 1,00,000/-)	☐
विशिष्ट सदस्य (दान राशि 51,000/-)	☐	सम्मानित सदस्य (दान राशि 21,000/-)	☐
साधारण सदस्य (दान राशि 11,000/-)	☐	अन्य	☐

3. प्रदत्त दान का विवरण : (संबंधित पर सही ☑ का निशान लगायें।)

डी.डी. ☐ चैक ☐ नगद ☐ पे-इन-स्लिप ☐ अन्य ☐

राशि ..... डी.डी./चैक की संख्या .....

दिनांक..... जारीकर्त्ता बैंक व शाखा का नाम .....

देय बैंक एवं शाखा का नाम .....

रसीद संख्या ..... दिनांक .....यदि इससे पूर्व पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की सदस्यता के लिये दान दिया हो तो उसका विवरण (संबंधित पर सही ☑ का निशान लगायें।)

डी.डी. ☐ चैक ☐ नगद ☐ पे-इन-स्लिप ☐ अन्य ☐

राशि ..... डी.डी./चैक की संख्या ..... दिनांक .....

जारीकर्त्ता बैंक व शाखा का नाम .....

देय बैंक एवं शाखा का नाम .....

रसीद संख्या .....दिनांक .....(यदि आवश्यकता हो तो अलग से कागज/शीट लगा सकते हैं)

प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर **आवेदक के हस्ताक्षर**

पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के सदस्यों के लिए नियम एवं पतंजलि योगपीठ के उद्देश्य

1. पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के सभी प्रकार के सदस्यों पर पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के नियम ही लागू होंगे।
2. केवल व्यक्तिगत (एक नाम से) सदस्यता प्रदान की जायेगी, जो सामान्यत: किसी दूसरे को हस्तांतरित नहीं की जायेगी। पतंजलि योगपीठ के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके प्राकृतिक उत्तराधिकारियों द्वारा सदस्यता स्थानान्तरण हेतु किये गये आवेदन पर ही पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) कोई निर्णय ले सकेगा।
3. पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) का कोई भी सदस्य पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) का ट्रस्टी नहीं होगा।
4. पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की सदस्यता पूर्णत: व्यक्तिगत होगी जो उस व्यक्ति विशेष या किसी एक संस्था विशेष को प्रदान की जायेगी जो पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के मुख्य उद्देश्य पतंजलि के अष्टांग योग द्वारा स्वयं एवं समाज में (क) आध्यात्मिक जीवन (ख) शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उन्नयन में विश्वास रखते हैं एवं संसार में उसके प्रचार एवं प्रसार के लिये पूर्णत: कटिबद्ध हों। इसके साथ-साथ पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के उद्देश्य राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ाने एवं देश-विदेश में आयुर्वेद एवं योग की प्राचीन एवं कल्याणकारी परम्परा के प्रसार एवं प्रचार द्वारा लोगों के दृष्टिकोण एवं चिंतन में परिवर्तन कर मानव मात्र को पूर्णत: स्वस्थ एवं निर्व्यसनी (शराब, तम्बाकू व धूम्रपान आदि से रहित) बनाने के लिये सदस्य को प्रतिबद्ध होना चाहिये। किसी भी संस्था द्वारा संस्था के नाम से सदस्यता ग्रहण करने पर उस संस्था के नियमों के अनुसार केवल एक व्यक्ति या संस्था द्वारा नामित कोई एक व्यक्ति ही पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की सदस्यता सम्बंधी लाभ ले सकेगा।
5. पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) की सदस्यता हेतु प्रदत्त दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-जी के अन्तर्गत आयकर से मुक्त है एवं पूर्णत: नान-रिफंडेबुल है।
6. सदस्य द्वारा पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के नियमों एवं उद्देश्यों के विरुद्ध आचरण करने एवं किसी ऐसी गतिविधि में लिप्त पाये जाने पर जिससे संस्था की छवि को हानि पहुँच रही हो, सदस्य की सदस्यता स्वत: ही समाप्त हो जायेगी।

औषधीय पौधों की खोज एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

अष्टवर्ग की खोज: अष्टवर्ग में रिद्धि, वृद्धि, मेदा, महामेदा, काकोली, क्षीरकाकोली, जीवक व ऋषभक पौधे आते हैं। संस्था द्वारा अष्टवर्ग की खोज में किये गये प्रयासों से पूर्व मात्र वृद्धि, मेदा, काकोली तथा जीवक को ही अष्टवर्ग पादपों में समझा जाता था।
श्रद्धेय आचार्यश्री के नेतृत्व में लुप्तप्राय: रिद्धि, महामेदा, क्षीरकाकोली तथा ऋषभक पादपों की खोज की गई जोकि आयुर्वेद के क्षेत्र में एक नया आयाम है।

संजीवनी की खोज: द्रोणगिरी पर्वत श्रंखला में आचार्य बालकृष्णजी के नेतृत्व में संस्था के वैज्ञानिकों एवं पादप विशेषज्ञों ने साठसुरिया गोसिपिफोरा (पार्वती), एलुइरोस्पमेम कन्डोलाई (शिव) की खोज की जो मृत संजीवनी के नाम से जाने जाते हैं। इस जड़ी-बूटी के गुणधर्म व प्रभाव पर संस्था में अनुसंधान जारी है।

सोम की खोज: देहरादून के निकट ऋषिकेश में विन्धवासीनी पर्वत श्रंखला में सोम की खोज श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में हुई। इस वर्ग की एक अन्य प्रजाति एफेड्रा जिरारडियाना वाल. एक्स स्टैफ उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पायी जाती है। लेकिन आचार्यश्री के अनुसार वास्तविक 'सोम' एफेड्रा मेजर है।
वैदिक मान्यताओं के अनुसार सोम एक दैवीय, चमत्कारिक तथा आध्यात्मिक सिद्धांत युक्त औषधि है। पादप जगत में इसके समकक्ष कुछ अन्य पादप भी हैं। वास्तविक सोम की खोज काफी लम्बे समय से चल रही है तथा बहुत से पौधों को सोम बताकर प्रस्तावित किया गया।
महत्वपूर्ण होने के कारण सोम पर विभिन्न रासायनिक परीक्षण की आवश्यकता है। पतंजलि योगपीठ ने कैंसर, दमा, यू.आर.टी.आई., एल.आर. टी.आई. आदि असाध्य रोगों पर इसके प्रभावों की जांच शुरू कर दी है।

पतंजलि योगपीठ की विभिन्न इकाईयां/ परिसर

आचार्यकुलम् आवासीय शिक्षण संस्थानम

पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज

योगग्राम: योग-प्राकृत-पंचकर्म चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र

दिव्य फार्मेसी

पतंजलि गौशाला

पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क लि.

संपर्क:
पतंजलि योगपीठ,
महर्षि दयानन्द ग्राम,
दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग,
निकट बहादराबाद, हरिद्वार-249405, उत्तराखंड
फोन-01334-240008, 244107, 246737
फैक्स-01334-244805, 240664
ई-मेल-divyayoga@divyayoga.com
वैबसाईट-www.divyayoga.com